भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 663
उत्तर देने की तारीख 06.02.2025

पारंपरिक उद्योग

663. **श्री पी. सी. मोहनः**

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बाजार में बेहतर पहुंच के लिए पारंपरिक उद्योगों के साथ प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स को समेकित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(ख) क्या शहरी क्षेत्रों में पारंपरिक शिल्प समूहों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए विशिष्ट पहल शुरू की गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) पारंपरिक उद्योगों के पुनरुद्धार हेतु निधि योजना (एसएफयूआरटीआई) के अंतर्गत कर्नाटक और बेंगलुरु में पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा देने और उन्हें आधुनिक बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) स्फूर्ति उत्पादों की बाजार तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने विभिन्न उपाय किए हैं जैसे उत्पादों की सीधी बिक्री के लिए अमेज़न कारीगर, फ्लिपकार्ट समर्थ आदि जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफार्मो के साथ एकीकरण, डिजिटल भुगतान प्रणालियों को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकी-संचालित उत्पाद विकास, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से परंपरागत शिल्प को बढ़ावा देना इत्यादि।

(ख) स्फूर्ति के अंतर्गत स्वीकृत क्लस्टर पारंपरिक शिल्पों को प्रदर्शित करने, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर के मेलों में भाग लेते हैं। इसके अलावा, पहुंच में सुधार और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए अर्ध-शहरी और शहरी क्षेत्रों में बिक्री केंद्र भी स्थापित किए गए हैं तथा क्लस्टर निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसीएच और एचईपीसी) के साथ निर्यात संवर्धन के लिए जुड़े हुए हैं।

(ग) परंपरागत उद्योगों के पुनर्सृजन हेतु निधि स्कीम (स्फूर्ति) को दिनांक 30.9.2022 से आगे जारी रखने के लिए अनुमोदन की प्रतीक्षा है, ऐसे में इस स्कीम के अंतर्गत परंपरागत उद्योगों को बढ़ावा देने और उनके आधुनिकीकरण के लिए वर्तमान में कोई पहल नहीं की जा सकी है।

*****